

# 4 साल का होगा स्नातक कोर्स, बीए की जगह बीएलए व बीएससी की जगह बीएलई का

**मंडे पॉजिटिव**

हायर एजुकेशन के ड्राफ्ट में लिबरल एजुकेशन पॉलिसी के ये प्रावधान करने की तैयारी में एमएचआरडी

एक्सपर्ट मानते हैं इसमें कमियां भी हैं

**एजुकेशन रिपोर्टर | जयपुर**  
शिक्षण संस्थानों को अब साधारण ग्रेजुएशन के अलावा स्टूडेंट्स के लिए चार वर्षीय लिबरल एजुकेशन में स्नातक कार्यक्रम लागू करना होगा। इन डिग्रियों के नाम स्टूडेंट्स बैचलर ऑफ लिबरल आर्ट्स (बीएलए) और बैचलर ऑफ लिबरल एजुकेशन (बीएलई) तय किए गए हैं। बीएससी आदि डिग्रियों

में भी चार वर्षीय एजुकेशन कार्यक्रम चलाए जाएंगे। 12वीं बाद सामान्य स्नातक तीन साल का रहता है लेकिन इन तीन साल के कार्यक्रम में विषयों में बदलाव की चर्चा और एक साल का रिसर्च व इंटरनशिप जोड़ा गया है। रिसर्च व इंटरनशिप के लिए स्टूडेंट्स को अलग से अंक मिलेंगे। लिबरल एजुकेशन के कोर्सेस में भाषा, साहित्य, कला, खेल और संगीत के पार्ट ज्यादा फोकस किया जाएगा

**लिबरल एजुकेशन पॉलिसी कॉन्सेप्ट में रिसर्च एजुकेशन बना बड़ा पार्ट...** हायर एजुकेशन पॉलिसी में लिबरल एजुकेशन पॉलिसी के तहत इसे देशभर में लागू करने की योजना है। ड्राफ्ट में कहा गया है कि जिस तरह से नालंदा - तक्षशीला आदि जगहों पर पढ़ाई होती थी। ठीक उसी तरह से लिबरल एजुकेशन पॉलिसी के तहत चार साल के स्नातक कोर्सेस तैयार करके लागू करने होंगे। साथ ही हर जिले तक इसकी पहुंच रखनी होगी। इन कोर्सेस में रिसर्च एजुकेशन को बड़ा पार्ट मानते हुए लागू किया है। साथ ही इंटरनशिप को भी इसमें तब्बजों दी गई है ताकि प्रैक्टिकल एजुकेशन करके छात्र और बेहतर तैयार हो।



ड्राफ्ट में गिनाए गए इसके फायदे

- स्टूडेंट्स को खुद की स्ट्रीम जैसे साइंस, इंजीनियरिंग आर्ट्स आदि के दायरे से बाहर निकलने का मौका मिलेगा और नए सब्जेक्ट लेने व रिसर्च का मौका मिलेगा।
- हर जिले में गुणवत्ता के लिए बैचलर ऑफ लिबरल आर्ट्स कार्यक्रम।
- संवैधानिक मूल्यों के विकास के लिए एजुकेशन ढांचे को मजबूत करना।

- इससे डिग्री के साथ - साथ एक्सपर्ट तैयार होंगे। सोयासटी के प्रति इनका योगदान बढ़ेगा। लिबरल एजुकेशन अप्रोच स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल एजुकेशन एक मजबूत पाठ भी बताएगी।
- लिबरल एजुकेशन के जरिए पेशेवर शिक्षा को समृद्ध बनाया जा सकता है।
- इस प्रोग्राम के जरिए यूजी के सभी कार्यक्रमों को मजबूत बनाना। इसके साथ ही स्टूडेंट्स में ऊर्जा संचार करना।

- लिबरल एजुकेशन के चार वर्षीय कार्यक्रम को अगर स्नातक के समकक्ष का दर्जा मिले तब स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में जुटेंगे। राज्य सरकार इसे नौकरियों में प्राथमिकता और पीजी के दर्जे का माने तब ये सब वर्किंग मजबूती से सफल होगी।
- विश्वविद्यालय और सरकारी कॉलेजों में इन कोर्सेस को तैयार करके लागू करने के प्रति शिक्षण संस्थानों को एज्जा दिखाना होगा क्योंकि इनके बगैर ये सफल नहीं होगा।

- इंटर यानी कोर्सेस स सब्जेक्ट पहले से रूप से नहीं हो स स्टूडेंट्स का मौका संबंध में तरफ से तक नहीं